

क्रमांक : CEC 4-1

॥ विद्योत नमः कथामाहित ॥

■ नोट नमोकार श्रीचिंतू मा-ते ॥  
मन्तोपुमाय नोय

प्रकृति आनुष्ठ निदिष्ट पाठ - यथाह पदाला शक्ति ।

- विद्योत ईशनाम नाम । चिदि आदल ईशनामे हीताए मर्यादुन हए- नून माता ।
- की एना यय- एर प्रकृत ? आनुष्ठीनीमूलक ? - नकि आनुष्ठ कनफेसन ।  
कनफेसन नकुल ?
- कथकर अनामुले मा- कथकर मसुकरे लोडामरा ।
- ईशनामेर मित्रोनामा मा-तु निर्देक- कलेउ एर एर चरिगि आगतहाए लीन-  
शलेउ ईशनामेर एताय- एर चरिगि हीताए प्रुए प्रुएकेणे, उदामताय  
एतामाय- एरमायिक शस- ईशेरे, तय- एतुय ।
- ईशनामेर दु'वार वामावदल । तिनटि हानाह । तिन वरनेय यवत । एरि अचिउत  
नेधकाह हीताए ऐकए । पडेरे ।
- बुला : कृतिरुमी, दुःमाशमी चरिग पठिठुना ।
- वामी : तामेनि हेलेर अणितुय एरु । ईशनामेर नठकर माता ।
- ईशनामेर मा - एताए आर आपोडे, काठया आर ना पाठयाय, मानिष नेठया  
आर मानाते ना पायय अमहायताय ।
- मन्तोपुमाय नोयेर एताय तीनुता, कृतिरुमी एरि ईशनामेर मनु एनाए-  
सिनिन ।
- तैरव- वानु- हेलाक नेविष- नाना कृतिरुनताय मरि निए- एरुटि हेलेर विषने  
ईशनीक शठयाय यामलता ।

\*\*\* [ मन्तोपुमाय नोय : कथामाहिते एकर नायक  
नेयक : अलाह चरुयर्ज  
पदयुज्य कथामाहिते पाठ मरुतुता ]

देविका लि